NT>

Title: Regarding non-avilability of life saving drugs in the market.

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : अध्यक्ष महोदय, पिछले कुछ दिनों से कई जीवन रक्षक दवाइयां बाजार से गायब हो गई हैं। इनमें कैंसर, हृदय रोग, पेट की बीमारी और दिमागी संक्रमण की दवाइयां प्रमुख हैं। इसमें तकलीफ की बात यह है कि जो दवाइयां बच्चों के लिए जीवन रक्षक दवाइयों का काम करती हैं, वे बाजार से ज्यादा गायब हुई है और उसका कारण यह है वे शायद मुनाफा कम देती है, इसलिए बाजार में उनकी उपलब्धता कम हो गई है। बाजार में इन दवाइयों के जो ि वकल्प उपलब्ध होने चाहिए, वे विकल्प भी बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। जीवन रक्षक दवाइयों की कीमत नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी नियंत्रित करती है। जब कंपनियों को लाभ मिलना कम हो जाता है तो वे कोशिश करती हैं कि उन्हें दवाओं की कीमत बढ़ाने की अनुमति मिले। जब उन्हें मनमाने ढंग से दवाओं की कीमत बढ़ाने की अनुमति नहीं मिलती है तो या तो वे उन दवाइयों का उत्पादन कम कर देती हैं या बंद कर देती हैं और इस तरह से बाजार से जीवन रक्षक दवाइयां गायब हो जाती है। अभी बाजार से जो प्रमुख दवाइयां गायब हैं, उनमें शिशुओं के हृदय रोग में लेनाक्सिन सिरप काम आता है, यह पिछले छः महीनों के बाजार में नहीं है। नेपरीसॉल हृदय रोगियों के उपयोगी है। कैंसर के लिए मेलारान, अल्करान, ल्यूकरान आदि दवाइयां काम में आती हैं। इन दवाइयों के अभाव में कैंसर विशेाज्ञ मरीजों के इलाज पद्धति तक बदलने को मजबूर हो गये हैं। ऐसी अनेक दवाइयों की सूची मेरे पास है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस पर सरकार ऐसा कोई मापदंड निर्धारित करेâ€¦ (व्यवधान)

सरकार कोई ऐसी प्रक्रिया तय करे कि कम लाभ मिलने के कारण कंपनियां इन जीवन रक्षक दवाइयों का उत्पादन न घटायें। कई बार कंपनियों के अनुरोध पर सरकार द्वारा दवा मूल्यों को संशोधित कर बढ़ा तो दिया जाता है, लेकिन संशोधित मूल्य लागू करने में कई माह लग जाते हैं। इस स्थिति में कंपनी स्टाक रख लेती है या कुछ समय के लिए निर्माण बंद कर देती है। ताकि कंपनी घाटे में न रहें। सरकार कोई न कोई ऐसी प्रक्रिया या नियम बनाये, ताकि ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो और जानबूझकर जो कंपनिया ऐसा काम करती हैं, उनके लिए कड़ा दंड देने का प्रावधान किया जाएâ€¦ (व्यवधान)

SHRI V. VETRISELVAN (KRISHNAGIRI): Sir, I have also given a notice.

MR. SPEAKER: Your notice is not on the same subject.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : श्री धर्मराज सिंह पटेल आपका नोटिस इसी विाय पर है। आप इस पर केवल दो शब्द बोलिये।

श्री धर्म राज सिंह पटेल (फूलपुर) : मैं माननीय सदस्य की बातों से अपने को सम्बद्ध करते हुए कुछ बातें और कहना चाहता हूं कि एक तरफ दवाइयां नहीं मिल रही हैं और इसके अलावा जो गरीब लोग हृदय रोग, कैंसर आदि गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं, जो गरीबी की रेखा से नीचे के लोग हैं, जिनके पास इलाज के लिए पैसे नहीं है। चाहे वे हृदय रोग, कैंसर या अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं, उन सबके निःशुल्क इलाज की व्यवस्था भारत सरकार करे। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि चूंकि हजारों लोग बिना इलाज के मर जाते हैं। इसलिए भारत सरकार इन लोगों के बारे में विशेा रूप से विचार करे।